

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 04 फरवरी, 2023

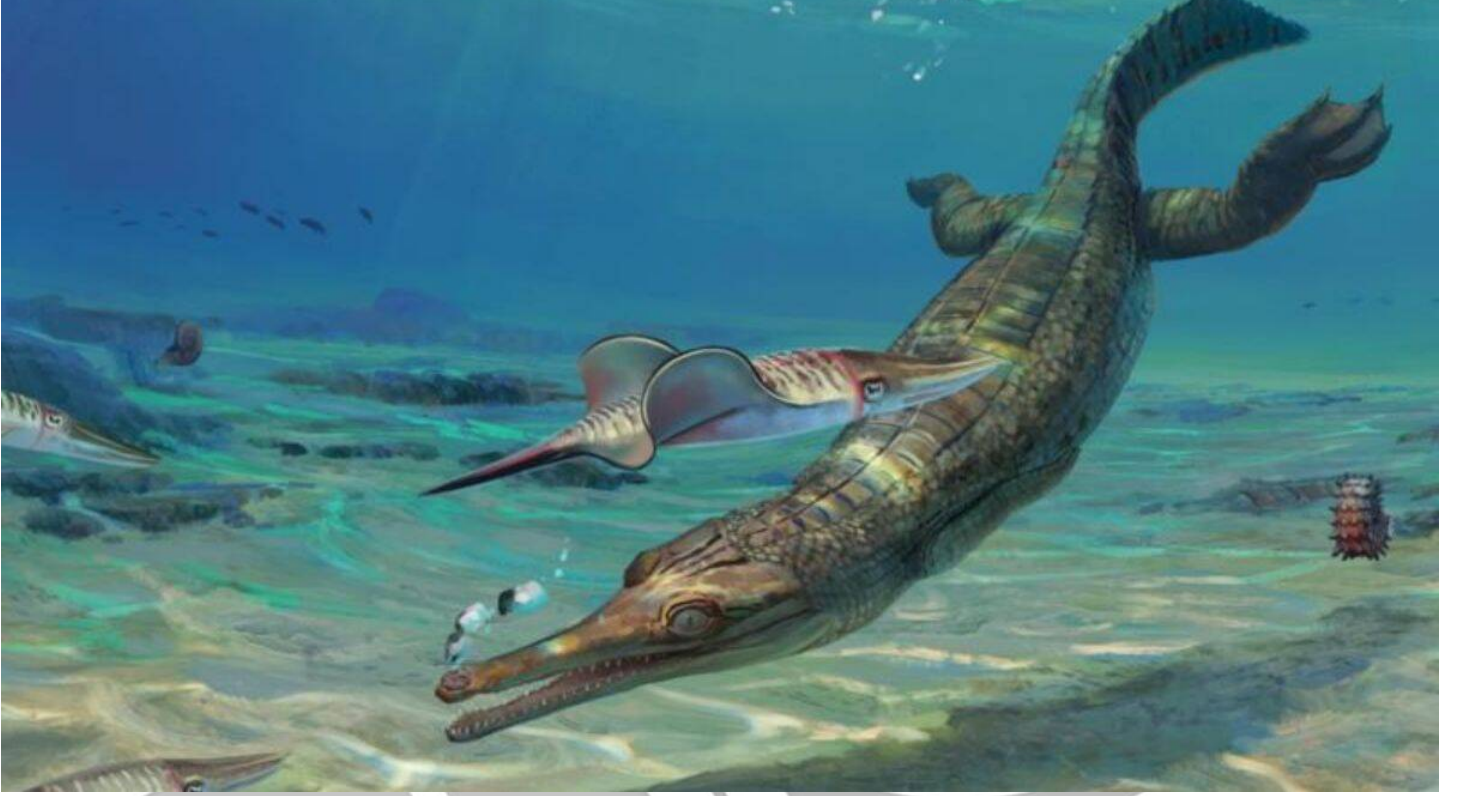
वशिव कैंसर दविस

वशिव के लोगो को कैंसर के खलिफ लड़ाई में एकजुट करने के लयि प्रतविर्ष 4 फरवरी को 'वशिव कैंसर दविस' मनाया जाता है। यह एक वैश्वकि कार्यक्रम है। वशिव कैंसर दविस का उद्देश्य दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को इस बीमारी के खलिफ कार्रवाई करने के लयि जागरूक बनाकर कैंसर से होने वाली मौतों को कम करना है। यह अंतर्राष्टरीय कैंसर नयित्रण संघ (UICC) की एक पहल है। इस दविस की शुरुआत 4 फरवरी, 2000 को पेरिस में 'वर्ल्ड समटि अर्गैस्ट कैंसर फॉर न्यू मलिनयिम' के दौरान हुई थी। वशिव स्वास्थय संगठन की पहल के रूप में वर्ष 1933 में पहला कैंसर दविस जनिवा, स्वटिज़रलैंड में मनाया गया था तब से प्रत्येक वर्ष कैंसर डे पर नई थीम जारी की जाती है। **वशिव कैंसर दविस 2023 की थीम-"क्लोज़ द केयर गैप (Close The Care Gap)" है।** इसका प्रमुख उद्देश्य समुदाय के उस वर्ग तक कैंसर के इलाज की सुविधाएँ पहुँचाना है जो कि इससे वंचित है। भारत में प्रत्येक वर्ष लगभग 27 लाख लोग कैंसर से ग्रसति होते हैं एवं 8 लाख लोगों की मौत इस बीमारी से हो जाती है। यदि कैंसर से लड़ने के लयि उचित कदम नहीं उठाए गए तो कैंसर से प्रभावति लोगो की संख्या वर्ष 2040 तक 30 मिलियन तक पहुँच सकती है।



टर्नरसुचस हगिलेये (Turnersuchus Hingleyae)

हाल ही में जीवाश्म वजिज्ञानियों ने प्राचीन 'समुद्री मगरमच्छ टर्नरसुचस हगिलेये' के जीवाश्मों की खोज की है। जो अपनी तरह का अब तक का सबसे पुराना जीवाश्म हो सकता है। टेलर एंड फ्रांसिस द्वारा प्रकाशित एक हालिया अध्ययन के अनुसार, यूनाइटेड किंगडम में जुरासिक तट पर पाए गए जीवाश्मों में टर्नरसुचस हगिलेये के सरि, रीढ़ की हड्डी जैसे अंगों का हिससा शामिल है। इसकी उम्र लगभग 185 मिलियन वर्ष पहले के प्रारंभिक जुरासिक, प्लिंसबैचियन काल (Jurassic, Pliensbachian period) की मानी गई है। अपेक्षाकृत लंबे, पतले मुँह (Snouts) के कारण संभावना है कि वे वर्तमान में मौजूद घड़ियाल मगरमच्छों के समान दिखते रहे होंगे। घड़ियाल मगरमच्छ आमतौर पर उत्तरी भारत की प्रमुख नदी प्रणालियों में पाए जाते हैं। हालाँकि शोधकर्त्ताओं के अनुसार, थालाटोसुचरिंस (Thalattosuchians) की खोपड़ी घड़ियाल मगरमच्छों के समान दिखती थी, लेकिन उनकी उत्पत्ति अलग तरीके हुई थी।



36वाँ सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शलिप मेला

हाल ही में भारत के उपराष्ट्रपति ने हरयाणा के फरीदाबाद में 36वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शलिप मेले का उद्घाटन किया, जिसमें उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के लिये उपहार लेते समय स्थानीय रूप से निर्मित हस्तशलिप वस्तुओं पर वचिर करें, उन्हें वरीयता दें। यह मेला प्रतविर्ष फरवरी महीने में सूरजकुंड मेला प्राधिकरण और हरयाणा पर्यटन द्वारा केंद्रीय पर्यटन, वस्त्र, संस्कृति एवं वदिश मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य कुशल कारीगरों के समूहों को प्रोत्साहति करना है, ये समूह स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करते थे, लेकिन सस्ती मशीन-निर्मित नकल किये जाने की समस्या से परेशान थे। वर्ष 2023 के लिये थीम राज्य प्रवोत्तर क्षेत्र (NER) है क्योंकि यह क्षेत्र भारत की लुक-ईस्ट और एकट-ईस्ट नीति में एक महत्त्वपूर्ण हतिधारक है। मुद्रा योजना, वन डिसिंकिट, वन प्रोडकट तथा यूनटी मॉल जैसी पहलों के माध्यम से केंद्रीय बजट 2023-24 में PM वशि्वकरमा कौशल सम्मान की भी परकिल्पना की गई है, ताकि शलिपकारों को उनकी कृतियों की पहुँच और गुणवत्ता का वसितार करने में मदद मलि सके।

और पढ़ें... [सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शलिप मेला](#)

वहिंगम ड्रोन तकनीक

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (MCL), कोयला मंत्रालय के तहत प्रमुख CPSE (सेंटरल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज़) ने ड्रोन और ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम के साथ एक वेब-आधारित पोर्टल वहिंगम लॉन्च करके कोयला खदानों में ड्रोन तकनीक की शुरुआत की है। यह पोर्टल एक अधिकृत वयकर्ता को खदान के वास्तविक समय/रयिल टाइम ड्रोन वीडियो का उपयोग करने की सुवधि प्रदान करता है। इसमें एक कंट्रोल स्टेशन है जिसकी सहायता से

इरोन उड़ाया जाता है जसि पोर्टल के माध्यम से कहीं भी संचालित किया जा सकता है। यह पायलट परियोजना वर्तमान में तलचर कोलफील्ड्स (ओडिशा) की भुवनेश्वरी और लगिराज ओपनकास्ट खदानों में चालू है। खनन प्रक्रिया के डिजिटलाइज़ेशन के लिये खदान की पर्यावरणीय नगिरानी और फोटोग्राममेट्रिक मैपिंग के लिये इरोन तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। अग्निशमन और धूल दमन जैसे कठिन कार्यों को पूरा करने के लिये MCL ने अपने कोयला स्टॉकपयारड में एक रोबोटिक नोज़ल वॉटर स्प्रेयर भी पेश किया है। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (MCL) भारत में उत्पादित कुल कोयले में 20% से अधिक का योगदान देती है।

और पढ़ें...[वहिंगम, इरोन तकनीक](#)

ऑपरेशन सद्भावना

'ऑपरेशन सद्भावना' द्वारा लद्दाख के दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिये भारतीय सेना कई कल्याणकारी गतिविधियाँ चला रही है, जैसे कश्मीरी गुडविल स्कूल, इन्फ्रा-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स, एजुकेशन टूर आदि। भारतीय सेना वर्तमान में लद्दाख क्षेत्र में 'ऑपरेशन सद्भावना' के तहत 7 आरमी गुडविल स्कूल चला रही है। इन स्कूलों में वर्तमान में 2,200 से अधिक छात्र पढ़ रहे हैं। इस पहल के माध्यम से (वर्ष 22-23 में) लद्दाख में विभिन्न दूरदराज़ के स्थानों पर चिकित्सा शिविर, पशु चिकित्सा शिविर, चिकित्सा उपकरण, चिकित्सीय बुनियादी ढाँचे का उन्नयन के साथ चिकित्सा सहायता केंद्रों को स्टाफ भी प्रदान किये गए हैं। लद्दाख के दूरदराज़ के क्षेत्रों में महिलाओं को ऑपरेशन सद्भावना के माध्यम से वित्तपोषित व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, महिला सशक्तीकरण केंद्रों और कंप्यूटर केंद्रों में भी शामिल किया जा रहा है। ऑपरेशन सद्भावना भारतीय सेना द्वारा शुरू की गई एक अनूठी मानवीय पहल है और आतंकवाद से प्रभावित लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने हेतु 1990 के दशक में तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य में इसे औपचारिक रूप प्रदान किया गया था।

वशिव खाद्य कीमतों पर FAO के नषिकर्ष

खाद्य और कृषिसंगठन (FAO) के अनुसार, वशिव खाद्य कीमतों में जनवरी 2023 में लगातार 10वें महीने गरिावट आई है। FAO खाद्य मूल्य सूचकांक, जो वशिव स्तर पर सबसे अधिक कारोबार वाली खाद्य वस्तुओं को ट्रैक करता है, जनवरी 2023 में औसतन 131.2 अंक रहा (जबकि दिसंबर 2023 में यह 132.2 अंक था) जो सितंबर 2021 के बाद से सबसे कम है। अलग-अलग अनाज आपूर्ति और मांग अनुमानों में FAO ने वर्ष 2022 में वैश्विक अनाज उत्पादन हेतु अपने पूर्वानुमान को 2.756 बिलियन टन से बढ़ाकर 2.765 बिलियन टन कर दिया। अंतरराष्ट्रीय गेहूँ की कीमतों में 2.5% की गरिावट आई क्योंकि ऑस्ट्रेलिया एवं रूस में उत्पादन उम्मीद से अधिक हुआ। FAO संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो भूख को मटाने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करती है। यह रोम (इटली) में स्थित संयुक्त राष्ट्र खाद्य सहायता संगठनों में से एक है। इसकी सहयोगी संस्थाएँ [वशिव खाद्य कार्यक्रम](#) और [कृषि विकास के लिये अंतरराष्ट्रीय कोष \(IFAD\)](#) हैं।



World food prices fall for 10th straight month in Jan

World food prices in January are now down some 18% from a record high hit last March following Russia's invasion of Ukraine, the United Nations food agency said on Friday.

A FALL IN PRICES OF DAIRY, VEGETABLE OILS AND SUGAR HELPED PULL DOWN THE INDEX. CEREALS AND MEAT WERE LARGELY STABLE, THE FOOD & AGRICULTURE ORGANIZATION SAID.

The FAO raised its forecast for global cereal production in 2022 to **2.765 billion** tonnes from a previous estimate of **2.756 billion** tonnes.



FAO FOOD PRICE INDEX

2014-2016=100



Source: FAO; Text: Reuters

और पढ़ें... [खाद्य और कृषिसंगठन \(FAO\), वशिव खाद्य मूल्य सूचकांक: FAO](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-04-february-2023>